

---

shrIrAmaShaTpadI

श्रीरामषट्पदी

Document Information

---

Text title : rAmaShaTpadI

File name : raama6padi.itx

Category : ShaTpadI, raama, stotra

Location : doc\_raama

Author : mAlavIyashukla

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : January 07, 2005

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरामषट्पदी



श्री गणेशाय नमः ।

तरणिकुलजलतरणो तरुणतरणितेजसा विभातरणो ।

कृतविदशदशमुष्मतिमिरगणोऽन्तस्तमो नुद मे ॥ १ ॥

शयविधृतशरशरासन निभिलभलोज्जसनप्रथितसुयशाः ।

मथितलृदयान्तरालं दृष्टृतिजालं ममापनय ॥ २ ॥

सुरुचिरमरीचिनिययांश्चरणभेन्दूनुदाय मम लृदये ।

लृदयेश विकलतापं स्वसकलतापं डिवापलर ॥ ३ ॥

धन्वीवरदलसुन्दर वरदलसद्गामजानकीजाने ।

जाने त्वामभिलेशं लेशलसल्लोकलोकेशम् ॥ ४ ॥

शं कुरु शङ्करवल्लभ यल्लभतामाश्रयं त्वर्दध्रियुगे ।

अनुरक्तिदृढां भक्तिं शिरस्य चिन्ताब्धिभवभक्तिम् ॥ ५ ॥

वैराजराजराजोऽध्यभूत्सुसाडेतराजनरराजः ।

वानरराजसढायो लीलाडैवल्यमेतद्धि ॥ ६ ॥


जगदसुसुतासुपरवसुमुटे यदेषा स्तुतिः कृता स्फीता ।

सा रामषट्पदीयं विलसतु तत्पादजलजाते ॥ ७ ॥

॥ धति श्रीमन्मालवीयशुक्ल श्रीमन्मथुरानाथप्राणीता रामषट्पदी समाप्ता ॥

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

